

## UP Board Notes Class 8 Sanskrit Chapter 1 आश्रमः

**शब्दार्थः**— पुराकले = प्राचीन काल में, अतीव = अत्यन्त, अश्वत्थः = पीपल, परिव्याप्ती = चारों ओर से ढंका, आमलकः = आँवला, पनसः = कटहल, पेरु = अमरूद, वलीवर्दः = बैल, कुर्दनम् = कूदना, चटकानाम् = चिड़ियों का, विहाय = छोड़कर, सम्प्रत्यपि = इस समय भी ।

**अस्माकं प्रदेशस्य ..... वर्षति स्म ।**

**हिन्दी अनुवाद**-हमारे प्रदेश की राजधानी लखनऊ नगर है। उस नगर के समीप नैमिषारण्य प्राचीन तीर्थस्थल अत्यन्त प्रसिद्ध है। वहाँ पहले एक आश्रम में ऋषि, मुनि, गुरु, कवि और छात्र निवास करते थे। आश्रम के विशाल परिसर में पीपल, बरगद, नींबू और अशोक वृक्षों की गहन छाया व्याप्त रहती थी। वहाँ फले वाले आम, आँवले, कटहल और अमरूद के वृक्ष भी बहुत अधिक थे। इन वृक्षों से वहाँ पर्यावरण अत्यन्त शुद्ध था, जिनसे वहाँ शीतल वायु मन्द-मन्द लगातर बहती थी, समय-समय पर बादल बरसते थे।

**इदानीमपि तस्मिन् ..... खादन्ति स्म च ।**

**हिन्दी अनुवाद**-अभी भी उस आश्रम में गायें, बैल, घोड़े और अन्य पशु स्वतन्त्रता से चरते हैं। पेड़ों पर बन्दरों का कूदना, चिड़ियों का चहकना, मोरों का नाचना और मुर्गी की तालध्वनियाँ दर्शकों को आनन्द देती हैं।

उस आश्रम के निकट गोमती नदी बहती है। उसको निर्मल जेल सब आश्रमवासी लोग पीते हैं। पहले पशु और पक्षी विरोध छोड़कर एक ही घाट पर पानी पीते थे, एक जगह रहते थे और वहीं खाते थे।

**तत्र छात्राणां ..... आसन्**

**हिन्दी अनुवाद**-वहाँ छात्रों के लिए ये नियम थे- प्रातः सूर्योदय से पहले उठना चाहिए, नदी में स्नान करना चाहिए, संध्या वन्दना करनी चाहिए, ईश्वर का नमन करना चाहिए, एक साथ खाना चाहिए। इसके बाद पढ़ने के लिए कक्षाओं में जाना चाहिए। आश्रम के इन नियमों को सब छात्र अच्छी तरह से पालन करते थे।

**संप्रत्यपि आश्रमोऽयं ..... भवेत् ।**

**हिन्दी अनुवाद**-आज-कल भी यह आश्रम छात्रों को अच्छे संस्कार देता है। वहाँ जातिगत भेदभाव बिना सब निवास करते हैं। स्वास्थ्य के संवर्धन के लिए वहाँ व्यायाम, योग की प्राकृतिक चिकित्सा और शिक्षण प्रचलित है और वह आश्रम त्याग, तपस्या, परोपकार, उदारता की शिक्षा देता है। इस प्रकार के आश्रम आजकल सब जगह होने चाहिए।